कर्पूरी ठाकुर एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन

डॉ0 हरि मोहन कुमार

कर्पूरी ठाकुर का जब जन्म हुआ उस समय भारत के इतिहास में एक तरफ महात्मा गाँधी के द्वारा अभिनव से प्रयोग हो रहे थे तो दूसरी तरफ क्रांतिकारी युवक–युवतियाँ भी इतिहास की प्रयोगशाला में स्वयं को तैयार कर रहे थे। दोनों के केन्द्र में देश की स्वतंत्रता और आम आदमी की महत्ता को स्थापित करना था। चूँकि गाँधी का प्रयोग लोगों को सहज और सदृश लगा इसलिए आमजन उनकी ओर आकृष्ट हुए और उनका प्रयोग ज्यादा कारगर साबित हुआ। गाँधी अपने प्रयोग के क्रम में सुदूर बिहार के चम्पारण तक चले आये और सायास ही देश का एक बहुत बड़ा क्षेत्र व तबका उनसे व्यक्तिगत रूप से जुड़ गया और जुड़ता ही चला गया। गाँधी ने बिहार को ही अपने राजनीति की प्रयोगशाला बनाया जिसका परिणाम यह हुआ कि इस दौर में यहाँ के घर–घर में गाँधी की उपस्थिति महसूस की गई।